95 लाख बैरल कच्चा तेल रूस से आएगा

रूस ने 9.5 मिलियन बैरल तेल की सप्लाई का दिया संकेत

मिडिल ईस्ट तनाव में भारत के लिए रूस बना सहारा

नई दिल्ली, 05 मार्च. मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और समुद्री मार्गों में अस्थिरता के बीच भारत के लिए एक राहत भरी खबर सामने आई है. खबर है कि भारत को कच्चे तेल की अतिरिक्त सप्लाई देने के लिए तैयार है.

रिपोर्ट्स के मुताबिक भारतीय जलक्षेत्र के पास मौजूद जहाजों पर लगभग 95 लाख बैरल रूसी कच्चा तेल मौजूद है, जिसे जरूरत पड़ने पर जल्द भारत की ओर मोड़ा जा सकता है. दरअसल क्षेत्र में तनाव बढ़ने के कारण स्ट्रैट ऑ होर्मूज से तेल आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है. यह मार्ग वैश्विक ऊर्जा व्यापार का सबसे अहम समुद्री रास्तों में से एक माना जाता है. भारत अपनी कुल तेल जरूरत का बड़ा हिस्सा मिडिल ईस्ट से आयात करता है, ऐसे में इस मार्ग में बाधा भारत के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है. ऐसे हालात में रूस की संभावित अतिरिक्त सप्लाई भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है. मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और समुद्री व्यापार मार्गों में अनिश्चितता के बीच भारत के लिए ऊर्जा आपूर्ति को लेकर नई चिंताएं पैदा हो गई हैं. इसी बीच रशिया ने संकेत दिया है कि वह भारत को कच्चे तेल की अतिरिक्त आपूर्ति करने के लिए तैयार है, जिससे संभावित सप्लाई संकट को काफी हद तक कम किया जा सकता है.

कच्चे तेल की कीमतों में 2 प्रतिशत से ज्यादा तेजी

मिडिल ईस्ट में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का असर अब वैश्विक तेल बाजार पर साफ दिखाई देने लगा है. गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई. सप्लाई बाधित होने की आशंका के कारण निवेशकों में चिंता बढ़ गई है, जिससे तेल की कीमतों में उछाल देखने को मिला.

रुपया ऐतिहासिक निचले स्तर पर

मुंबई, 05 मार्च. अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 55.75 पैसे टूटकर 92.05 प्रति डॉलर पर बंद हुआ. यह पहली बार है जब डॉलर 92 रुपये से ज्यादा महंगा हुआ है. रुपये में इस ऐतिहासिक गिरावट की सबसे बड़ी वजह पश्चिम एशिया में जारी राजनीतिक तनाव को माना जा रहा है. पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा 91.4925 प्रति डॉलर पर बंद हुई थी. रुपये पर आज शुरू से ही दबाव रहा और यह 55.75 पैसे गिरकर 92.05 रुपये डॉलर पर खुला. बीच कारोबार में एक समय भारतीय मुद्रा 92.35 रुपये प्रति डॉलर तक टूट गयी थी.

एटीएम से कैश निकालने की लिमिट घटाई

पीएनबी ग्राहकों के लिए बड़ा बदलाव, आधी हुई लिमिट

1 लाख की जगह अब सिर्फ 50 हजार निकाल सकेंगे

नई दिल्ली, 05 मार्च. सरकारी बैंक पंजाब नेशनल बैंक ने अपने ग्राहकों के लिए एटीएम से कैश निकालने के नियमों में बड़ा बदलाव किया है. बैंक ने चुनिंदा डेबिट कार्ड्स की रोजाना कैश निकालने की सीमा को आधा कर दिया है.

यह नया नियम 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा. बैंक के अनुसार जिन डेबिट कार्ड्स से पहले रोजाना 1 लाख रुपए तक कैश निकाला जा सकता था, अब उनकी सीमा घटाकर 50 हजार रुपए कर दी गई है. इसी तरह प्रीमियम कैटेगरी के कार्ड्स में

जहां पहले 1.5 लाख रुपए तक की निकासी की अनुमति थी, उसे घटाकर 75 हजार रुपए कर दिया गया है. बैंक का कहना है कि यह कदम ग्राहकों की सुरक्षा को मजबूत करने और एटीएम फ्रॉड के जोखिम को कम करने के उद्देश्य से उठाया गया है. साथ ही बैंक ग्राहकों को डिजिटल बैंकिंग और सुरक्षित ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के लिए भी प्रोत्साहित करना चाहता है. हालांकि बैंक ने साफ किया है कि सभी डेबिट कार्ड्स पर यह बदलाव लागू नहीं होगा. कुछ कार्ड्स की लिमिट पहले जैसी ही बनी रहेगी और ऑनलाइन या कार्ड स्वाइप ट्रांजैक्शन पर भी कोई असर नहीं पड़ेगा.

बैंक की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक जिन डेबिट कार्ड्स से पहले रोजाना 1 लाख रुपए तक कैश निकाला जा सकता था, उनकी सीमा अब घटाकर 50 हजार रुपए कर दी गई है. वहीं प्रीमियम श्रेणी के डेबिट कार्ड्स पर जहां पहले 1.5 लाख रुपए तक निकासी की अनुमति थी, अब उसे कम करके 75 हजार रुपए कर दिया गया है. बैंक का कहना है कि यह कदम ग्राहकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है. एटीएम फ्रॉड और साइबर अपराध के बढ़ते मामलों को देखते हुए कैश निकासी की सीमा कम करने से संभावित नुकसान को कम किया जा सकता है.

गिरावट से उबरे शेयर बाजार सेंसेक्स 900 अंक उछला

मुंबई, 05 मार्च. विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को तेजी लौट आयी और बीएसई का सेंसेक्स 900 अंक की बढ़त में बंद हुआ. सेंसेक्स सुबह 414 अंक की बढ़त में खुला था और लगभग पूरे दिन 300 से 400 अंक की तेजी में रहा.

हालांकि आखिरी घंटे में लिवाली तेज होने से इसका ग्राफ सीधे ऊपर की ओर चढ़ा. अंत में सेंसेक्स 899.71 अंक (1.14 प्रतिशत) उछलकर 80,015.90 अंक पर बंद हुआ.

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 285.40 अंक यानी 1.17 फीसदी चढ़कर 24,765.90 अंक पर पहुंच गया.

इससे पहले पिछले तीन कारोबारी दिवसों में बाजार में बड़ी गिरावट रही थी. मझौली और छोटी कंपनियों में भी तेजी रही. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.50 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.58 प्रतिशत चढ़ गया. आईटी को छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों में तेजी रही. टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, तेल एवं गैस, ऑटो, 3 रियलटी, एफएमसीजी और रसायन सेक्टरों के सूचकांक हरे निशान में रहे.

एआई युग सिर्फ अपग्रेड नहीं, पूरी इकोनॉमी का रीसेट : जियो

मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस में मैथ्यू ओमेन ने रखा 'इंटेलिजेंस ग्रिड' का विजन

बार्सिलोना, 5 मार्च. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का दौर टेलीकॉम सेक्टर के लिए सिर्फ टेक्नोलॉजी अपग्रेड नहीं, बल्कि इकोनॉमी और बिज़नेस मॉडल का रीसेट है. मैथ्यू ओमेन, ग्रुप सीईओ, जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड ने मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस बार्सिलोना में कहा कि दुनिया अब मिनट्स और बाइट्स से आगे बढ़कर टोकन्स और इंटेलिजेंस की नई इकोनॉमी में प्रवेश कर रही है.

ओमेन के मुताबिक, इंडस्ट्रियल एरा प्रोडक्शन पर आधारित था, इंटरनेट एरा ने कनेक्टिविटी और क्लाउड दिया, लेकिन ⸗ढ्ढ एरा इकोनॉमिक इक्वेशन को पूरी तरह बदल देगा. यह अपग्रेड साइकिल नहीं है, यह एक कंप्लीट रीसेट है,

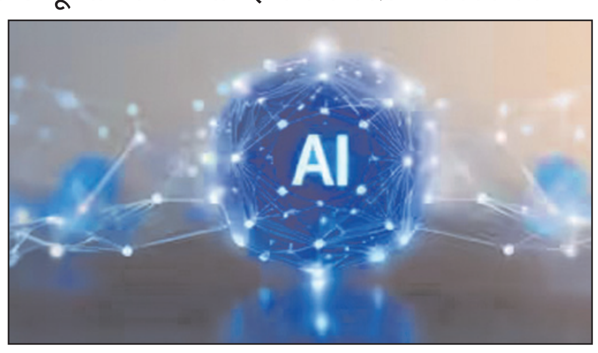

उन्होंने कहा. वैश्विक स्तर पर में ट्रिलियन डॉलर का निवेश इस बदलाव की गंभीरता दिखाता है. कंपनी के फोकस पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह बदलाव टेलीकॉम इंडस्ट्री के लिए सबसे बड़ा अवसर है. जियो खुद को सिर्फ नेटवर्क प्रोवाइडर के रूप में नहीं, बल्कि 'इंटेलिजेंस ग्रिड' के बिल्डर के रूप में देखता है. टेलीकॉम की करेंसी मिनट्स से बाइट्स और अब टोकन्स की ओर शिफ्ट हो रही है. हम सिर्फ सबसे बड़ा टोकन पाइप नहीं बनना चाहते, बल्कि सबसे बड़ा टोकन जेनरेटर बनना चाहते हैं. बताते चलें कि मिनट्स, बाइट्स और टोकन्स के जरिए टेलीकॉम इंड्स्ट्री को संक्षेप में समझा जा सकता है. पहले कमाई का आधार था- वॉयस कॉलिंग, यह मिनट्स में गिनी जाती थी, फिर आया डेटा जो बाइट्स में काउंट होने लगा यानी कितनी बाइट्स ग्राहक इस्तेमाल कर रहा है आदि और भविष्य में यह एआई टोकन में तब्दील हो जाएगा.

ओमेन ने 'एआई कमांड आर्किटेक्चरल फ्रेमवर्क' का जिक्र करते हुए कहा कि भविष्य का नेटवर्क अलग-अलग टूल्स का जोड़ नहीं होगा, बल्कि एक यूनिफाइड, इंटीग्रेटेड आर्किटेक्चर होगा. टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर साथ मिलकर ऐसे सिस्टम बनाएंगे जो रियल टाइम में सोचें, कोऑर्डिनेट करें और एक्शन लें. उनके अनुसार, टेक्नोलॉजी लीडरशिप अब इकोनॉमिक लीडरशिप है, और वही आगे चलकर नेशनल लीडरशिप तय करेगी.

सोना-चांदी में बड़ी गिरावट

07 हजार रुपए सस्ता हुआ सोना

32 हजार रुपए कम हुई चांदी

नई दिल्ली, 05 मार्च. देश के बुलियन बाजार में लगातार दूसरे दिन गिरावट दर्ज की गई है, जिससे सोना और चांदी दोनों के दामों में बड़ी कमी देखने को मिली है. 5 मार्च को जारी आंकड़ों के अनुसार 24 कैरेट सोने की कीमत 10 ग्राम पर करीब 3 हजार रुपए घटकर 1.60 लाख रुपए के आसपास पहुंच गई है.

पिछले दो दिनों में सोना करीब 7 हजार रुपए तक सस्ता हो चुका है. वहीं चांदी की कीमत में भी भारी गिरावट आई है. एक किलो चांदी का भाव लगभग 13 हजार रुपए गिरकर 2.58 लाख रुपए प्रति किलो पर आ गया है. दो दिनों के भीतर चांदी करीब 32 हजार रुपए तक सस्ती हो चुकी है. बाजार विशेषज्ञों के अनुसार यह गिरावट मुख्य रूप से प्रॉफिट बुकिंग के कारण आई है. हाल के महीनों में सोना और चांदी की कीमतों में तेज बढ़त देखने को मिली थी, जिसके बाद निवेशकों ने मुनाफा वसूली शुरू कर दी. आंकड़ों के मुताबिक इस साल अब तक सोना करीब 26 हजार रुपए और चांदी लगभग 27 हजार रुपए महंगी हो चुकी है. देश के बुलियन बाजार में सोना और चांदी की कीमतों में लगातार दूसरे दिन गिरावट दर्ज की गई है. 5 मार्च को जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक 24 कैरेट सोना करीब 3 हजार रुपए घटकर 10 ग्राम के लिए लगभग 1.60 लाख रुपए के स्तर पर आ गया है. इससे पहले इसका भाव करीब 1.63 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम था. इस तरह दो दिनों के भीतर सोना करीब 7 हजार रुपए तक सस्ता हो चुका है. कीमतों के ये आंकड़े (आईबीजेए) की ओर से जारी किए गए हैं.

विशेषज्ञों का कहना है कि हाल के महीनों में सोना और चांदी की कीमतों में तेज उछाल आया था. इस तेजी के बाद निवेशकों ने मुनाफा वसूली शुरू कर दी, जिसे बाजार की भाषा में प्रॉफिट बुकिंग कहा जाता है. इसी वजह से कीमतों में यह करेक्शन देखने को मिला है. हालांकि साल 2026 की शुरुआत से अब तक सोना और चांदी दोनों की कीमतों में कुल मिलाकर बढ़त ही दर्ज की गई है.

वाहनों ने फरवरी में बनाया नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 05 मार्च. देश में वाहनों की बिक्री का रिकॉर्ड तोड़ क्रम साल के दूसरे महीने में भी जारी रहा और 24 लाख से अधिक के आंकड़े के साथ फरवरी की बिक्री का नया रिकॉर्ड बना.

वाहन डीलरों के संगठन फाडा द्वारा गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि फरवरी 2026 में देश में कुल 24,09,362 वाहन बिके जो एक साल पहले के मुकाबले 25.62 प्रतिशत अधिक है. यात्री वाहन (कारें, उपयोगी वाहन और वैन), दुपहिया, तिपहिया, वाणिज्यिक वाहन और ट्रैक्टरों की बिक्री में पिछली सभी फरवरी से अधिक रही. इनमें क्रमशः 26 प्रतिशत, 25 प्रतिशत, 24 प्रतिशत, 29 प्रतिशत और 36 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी रही. पिछले साल सितंबर में वस्तु एवं सेवा कर की दरों में कटौती के बाद से देश में वाहनों की बिक्री मजबूत बनी हुई है. फाडा ने बताया कि 75 प्रतिशत से ज्यादा डीलरों को निकट भविष्य में बिक्री और बढ़ने की उम्मीद है. फाडा के अध्यक्ष सी.एस. विग्नेश्वर ने कहा कि फरवरी 2026 वाहन उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुआ है.

एयर इंडिया जेद्दा के लिए शुरू करेगी नियमित उड़ानें

नई दिल्ली, 05 मार्च. टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया गुरुवार से सऊदी अरब के जेद्दा के लिए नियमित उड़ानें शुरू करेगी. एयरलाइंस के एक प्रवक्ता ने बताया कि 05 मार्च से एयर इंडिया जेद्दा के लिए नियमित उड़ानें शुरू कर रही है जबकि पश्चिम एशिया के अन्य शहरों के लिए उसकी सभी उड़ानें फिलहाल रद्द रहेंगी.

जेद्दा के लिए गुरुवार को उसकी तीन उड़ानें प्रस्थान करेंगी. इनमें दिल्ली से जेद्दा के लिए एक उड़ान और मुंबई से दो उड़ानें शामिल हैं.

पश्चिम एशिया संकट-कारोबार बचाने को सरकार सक्रिय

नई दिल्ली, 05 मार्च. सरकार ने पश्चिम एशिया में भड़के युद्ध से उस क्षेत्र के रास्ते व्यापारिक जहाजों और उड़ान सेवाओं के बाधित होने के बीच निर्यात क्षेत्र की मदद के लिए एक अंतर-मंत्रालयी समूह के गठन का निर्णय लिया है.

पश्चिम एशिया की स्थिति से भारत के कारोबार पर संभावित प्रभावों की समीक्षा के लिए को राजधानी में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गयी, जिसमें अधिकारियों की ओर से निर्यात संबंधी प्रक्रियाओं को लेकर रुख लचीला रखने पर बल दिया गया. वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि इसी संदर्भ में प्रभावी समन्वय, निगरानी एवं आगे की कार्रवाई के लिए 'आपूर्ति श्रृंखला को सशक्त बनाये रखने के लिए अंतर-मंत्रालयी समूह का गठन किया गया है, जिसमें वित्तीय सेवा विभाग, विदेश मंत्रालय, पोत परिवहन, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड के सदस्य शामिल हैं.

समाचार विशेष

विपक्षी खेमे में नेतृत्व की जंग

अय्यर ने स्टालिन-ममता को बताया राहुल से बेहतर विकल्प

नई दिल्ली. विपक्ष के भीतर प्रधानमंत्री पद की उम्मीदवारी को लेकर चल रही रस्साकशी अब बंद कमरों से बाहर निकलकर सार्वजनिक मंचों पर आ गई है. वरिष्ठ कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर के हालिया बयान ने 'इंडिया' गठबंधन के भीतर नेतृत्व की एक नई बहस छेड़ दी है. खुद को राजीववादी बताने वाले अय्यर ने राहुल गांधी की नेतृत्व क्षमता के बजाय क्षेत्रीय क्षत्रपों-एमके स्टालिन और ममता बनर्जी पर दांव लगाने की बात कहकर राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है.

चेन्नई के एक कार्यक्रम में अय्यर ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की तुलना कांग्रेस के दिग्गज नेता के. कामराज से करते हुए उन्हें गठबंधन का चेहरा बनाने की वकालत की. हालांकि, स्टालिन ने बड़ी ही परिपक्वता के साथ इस प्रस्ताव को यह कहकर टाल दिया कि मैं अपनी ऊंचाई जानता हूं. स्टालिन का यह बयान संकेत देता है कि वह फिलहाल तमिलनाडु की सत्ता पर पकड़ मजबूत रखते हुए दिल्ली में किंग के बजाय किंगमेकर की भूमिका निभाने में अधिक सहज हैं.

ममता का मौन समर्थन और राहुल की चुनौतियां- एक तरफ जहां उमर अब्दुल्ला और अखिलेश यादव जैसे नेता राहुल गांधी को भाजपा के खिलाफ एकमात्र राष्ट्रीय विकल्प मानते हैं. वहीं, ममता बनर्जी की महत्वाकांक्षाएं छिपी नहीं हैं. ममता का बायोडेटा चुनाव जीतने के मामले में काफी प्रभावी है. उन्होंने न केवल 2011 में वामपंथ को उखाड़ा बल्कि पिछले एक दशक से भाजपा के विजय रथ को बंगाल की सीमाओं पर रोक रखा है. दूसरी ओर, स्टालिन का स्ट्राइक रेट (2019, 2021, 2024) उन्हें गठबंधन के भीतर सबसे विश्वसनीय सहयोगी बनाता है.

भाजपा का तंज और आंतरिक कलह

मणिशंकर अय्यर के इस बयान ने भाजपा को बैठे-बिठाए मुद्दा दे दिया है. भाजपा प्रवक्ताओं का कहना है कि जब कांग्रेस के अपने ही दिग्गज नेताओं को राहुल गांधी की स्वीकार्यता पर संदेह है, तो देश उन पर भरोसा कैसे करेगा? 2029 की चुनावी बिसात पर अब सवाल यह है कि क्या विपक्ष एक चेहरा' (राहुल गांधी) के साथ आगे बढ़ेगा या क्षेत्रीय नेतृत्व (ममता-स्टालिन) के मॉडल को अपनाएगा? राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विपक्ष की असली चुनौती मोदी के कद के बराबर चेहरा ढूंढना नहीं, बल्कि आपसी मतभेदों को सुलझाना है.

आधी इच्छा पूरी आधी रही अधूरी!

कांग्रेस-डीएमके की शीट शेयरिंग तय, कौन कितनी सीटों पर लड़ेगा चुनाव?

चेन्नई. तमिलनाडु विधानसभा चुनाव को लेकर डीएमके-कांग्रेस के बीच गठबंधन पर आखिरी मुहर लग चुकी है. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को सीएम और डीएमके चीफ एमके स्टालिन के साथ टेलीफोन पर बात की. बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने बहुप्रतीक्षित सीट बंटवारे के फॉर्मूले को अंतिम रूप दे दिया है.

डीएमके नेतृत्व के साथ कई दौर की बातचीत के बाद अंततः सीट बंटवारे पर मुहर लग गई है. इस समझौते के तहत कांग्रेस को 28 विधानसभा सीटें दी गई हैं. शुरुआत में कांग्रेस 35 सीटों की अपनी मांग पर मजबूती से अड़ी हुई थी. वहीं, डीएमके 25 से अधिक सीटें देने को राजी नहीं थी. इसी खींचतान के कारण यह पूरा मामला काफी समय से फंसा हुआ था.

होली के मौके पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने खुद पहल करते हुए डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन को टेलीफोन घुमा दिया. इसी चर्चा के दौरान दोनों नेताओं के बीच सीट बंटवारे के पेंच पर सहमति बन गई. इस नए समझौते के तहत डीएमके ने सहयोगी कांग्रेस पार्टी को 28 विधानसभा सीटों के साथ ही एक राज्यसभा सीट भी देने का वादा किया है. राज्य की 234 विधानसभा सीटों में से डीएमके ने कांग्रेस को 25 विधानसभा और एक राज्यसभा सीट का अंतिम प्रस्ताव दिया था, जिसे उसने ठुकरा दिया था. कांग्रेस किसी भी कीमत पर 30 से कम सीटों पर लड़ने को तैयार नहीं थी. इस गतिरोध को सुलझाने और सीट बंटवारे का फॉर्मूला तय करने के लिए कांग्रेस ने पूर्व केंद्रीय मंत्री व पी चिदंबरम को अहम जिम्मेदारी सौंपी थी.

पिछली बार कितनी सीटें मिली थीं?

पिछले चुनाव में डीएमके ने कांग्रेस को 25 सीटें दी थीं, जहां उसके 18 विधायक जीते थे. इसी प्रदर्शन के आधार पर कांग्रेस ने 35 विधानसभा और 2 राज्यसभा सीटों की मांग रखी थी. वहीं, डीएमके 10 सीट कम यानी 25 देने पर राजी थी. अब सीट शेयरिंग में कांग्रेस 7 सीटें अपनी मांग से नीचे उतरी है और एक राज्यसभा सीट पर ही राजी हो गई है. इस लिहाज से देखें तो DMK ने आधी इच्छा ही पूरी की है. सीट बंटवारे पर सहमति बनते ही तमिलनाडु के आगामी चुनावी महासंग्राम में सत्ताधारी डीएमके गठबंधन ने अपनी मजबूत स्थिति स्पष्ट कर दी है.

भाजपा ने असम में यूपीपीएल को छोड़ा

गुवाहाटी. भारतीय जनता पार्टी कितनी सुविधा से पलटी मारती है और अपने सहयोगी बदलती है इसकी मिसाल असम है.

असम में भारतीय जनता पार्टी ने पिछले चुनाव की अपनी सहयोग पार्टी यूपीपीएल को छोड़ दिया. पिछले दिनों मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से इस बारे में पूछा गया था तो उन्होंने जवाब देने की जरुरत नहीं समझी थी. असल में उन्होंने गठबंधन के बारे में बताते हुए मीडिया के सामने कहा कि 10 मार्च तक गठबंधन की बात पूरी हो जाएगी. यह बताते हुए उन्होंने कहा कि असम गण परिषद और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट के साथ गठबंधन और सीट बंटवारे की बात होगी, जो 10 मार्च तक पूरी कर ली जाएगी. इसके बाद उनसे पूछा गया कि यूपीपीएल का क्या होगा तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया. ध्यान रहे पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा ने प्रमोद बोडो की पार्टी यूपीपीएल से तालमेल किया था.

विशेष कार्यसमिति की लिस्ट में इन नेताओं के नाम ने सबको चौंकाया

राजस्थान में बीजेपी की बैलेंस्ड पॉलिटिक्स!

जयपुर. भारतीय जनता पार्टी की राजस्थान इकाई में संगठनात्मक बदलाव के तहत पार्टी ने 1 मार्च 2026, रविवार को प्रदेश कार्यसमिति की नई सूची जारी कर दी. इस सूची में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा से लेकर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, पूर्व प्रदेशाध्यक्षों, केंद्रीय मंत्रियों, पूर्व सांसदों, पूर्व विधायकों और जिलाध्यक्षों तक को जगह दी गई है.

जिलावार संतुलन के साथ घोषित ये बदलाव संकेत दे रहे है कि पार्टी ने सत्ता और संगठन के बीच तालमेल साधते हुए अनुभव और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व दोनों को प्राथमिकता दी है. आगामी चुनावी रणनीति के मद्देनजर ये बदलाव राजस्थान बीजेपी की अंदरूनी राजनीति और भविष्य की दिशा, दोनों के लिहाज से अहम माना जा रहा है. इस सूची में कुल 154 नाम हैं. इसमें स्थायी आमंत्रित सदस्य- 12 प्रदेश कार्यसमिति सदस्य- 90 और विशेष आमंत्रित सदस्य- 52 हैं.

स्थायी आमंत्रित सदस्य (राज्य स्तर)- भजन लाल शर्मा- मुख्यमंत्री, वसुंधरा राजे- पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, विधायक, अशोक परनामी- पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, पूर्व विधायक, पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष, अरुण चतुर्वेदी- पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, अध्यक्ष वित्त आयोग, सतीश पूनियां- पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, सी.पी. जोशी- पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, सांसद, गजेंद्र सिंह शेखावत- केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, भूपेंद्र यादव- केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, अर्जुन राम मेघवाल- केंद्रीय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), भागीरथ चौधरी- केंद्रीय राज्य मंत्री, रवनीत सिंह बिट्टू- केंद्रीय राज्य मंत्री, राजेंद्र राठौड़- पूर्व नेता प्रतिपक्ष.

प्रदेश कार्यसमिति सदस्य (जिलावार)- बीकानेर शहर- गोपाल गहलोत (पूर्व जिलाध्यक्ष), सत्य प्रकाश आचार्य (पूर्व जिलाध्यक्ष), बीकानेर देहात- कुंभाराम सिद्ध (पूर्व जिला महामंत्री), जालम सिंह भाटी (पूर्व जिलाध्यक्ष), श्रीगंगानगर- संतोष बावरी (पूर्व विधायक), महेश पेडीवाल (पूर्व प्रत्याशी), हनुमानगढ़- भारत भूषण शर्मा (किसान मोर्चा), दमयंती बेनीवाल (पूर्व विधायक), चूरू- वासुदेव चावला (पूर्व प्रदेश मंत्री), जयपुर शहर- सुमन शर्मा (पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, महिला मोर्चा),.

वशेष आमंत्रित सदस्य (जिलावार)- नुमानगढ़- धर्मेंद्र मोची (पूर्व विधायक), अभिषेक मटोरिया (पूर्व प्रत्याशी), काशीराम गोदारा, चूरू- अभिनेश महर्षि (पूर्व विधायक), श्रीगंगानगर- शिव स्वामी, जयपुर शहर- रामचरण बोहरा (पूर्व सांसद), मोहन लाल गुप्ता (पूर्व विधायक), लालचंद कटारिया (पूर्व मंत्री), प्रणेन्द्र शर्मा, जयपुर दक्षिण- कन्हैया लाल मीणा (पूर्व विधायक, बस्सी), सीकर- सुभाष महरिया (पूर्व सांसद), झुंझुनूं- बनवारी लाल सैनी (पूर्व जिलाध्यक्ष, पूर्व जिला प्रमुख), दौसा- जगमोहन मीणा (पूर्व विधायक प्रत्याशी), अलकाकंवर गुर्जर (राष्ट्रीय मंत्री), सिकंदर भदाना (पूर्व जिला उपाध्यक्ष), अलवर दक्षिण- जयराम जाटव (पूर्व विधायक), धौलपुर- श्रवण वर्मा (पूर्व जिलाध्यक्ष), जगमोहन बघेल (पूर्व प्रदेश मंत्री), करौली-सवाई माधोपुर- रोहिणी कुमारी (पूर्व विधायक), जसकौर मीणा (पूर्व सांसद), अजमेर शहर- ओंकार सिंह लखावत (पूर्व सांसद, राज्यसभा), अजमेर देहात- आशीष सांड (जिला कोषाध्यक्ष), भूपेंद्र सिंह शाकावत (पूर्व प्रधान), इंद्र सिंह बागावास (पूर्व प्रदेश संयोजक, खनन), गोपाल धोबी (पूर्व विधायक), भीलवाड़ा- आजाद शर्मा (पूर्व जिलाध्यक्ष), टोंक- विजय बैंसला (पूर्व विधायक प्रत्याशी), प्रभुलाल सैनी (पूर्व मंत्री).